शिवजयन्ति महोत्सव में उमड़े साठ देशों के लोग, पूरे विश्व में शिव संदेश फैलाने का अह्वान

बुराईयों को अर्पण करना ही शिवजयन्ति का व्रत लेना है-दादी जानकी

आबू रोड, 3 मार्च, निसं। झंडे पताकाओं से सजा शांतिवन परिसर, हाथ में लहराते शिव ध्वज तथा शांति के संदेश देते गुब्बारे जब आसमान में उड़ाये गये तो पूरा माहौल शिवमय हो गया। भावना और आस्था के ज्वार में सराबोर साठ देशों से आये पन्द्रह हजार लोगों को सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि हमें अपने अन्दर ज्ञान का जागरण कर बुराईयों से व्रत लेना ही शिवजयन्ति का व्रत लेना है। वे संस्था के शांतिवन परिसर में शिवजयन्ति महोत्सव के दौरान कही।

आगे उन्होंने कहा कि परमात्मा शिव सभी देवों के महादेव है। हम सभी आत्माओं के परमपिता परमात्मा है। इसलिए हम सभी को निर्विवाद रुप से परमात्मा शिव के श्रीमत को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करना चाहिए। परमात्मा के गुणों को अपने जीवन में उतारने से ही हमारे जीवन में बदलाव हो सकता है। यही शिव का संदेश है और शिवजयन्ति का महोत्सव का भी। परमात्मा पिछले 75 वर्ष से अवतरित होकर नयी दुनिया की स्थापना का कार्य करा रहे है। हम सभी को इसमें शरीक होकर इसमें मददगार बनना चाहिए। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे बुराईयों को त्याग अच्छाईयों को अपने जीवन में धारण करना चाहिए।

मुम्बई से आये सुप्रसिद्ध पार्श्वगायक ओम व्यास ने कहा कि परमात्मा शिव सर्वमान्य और सर्व कल्याणकारी है। इसलिए हम सभी को परमात्मा से अपना सम्बन्ध जोड़कर बुराईयों को अर्पण कर अच्छाईयों को धारण करना चाहिए। यही सच्ची शिवरात्रि का सच्चा पर्व है। संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि परमात्मा शिव भोलेनाथा बड़े ही दयालु और कृपालु है। इनके साथ मन का कनेक्शन जोड़ने से मन में व्याप्त सारी बुराईयां दूर हो जाती है। इसलिए शिवरात्रि पर हम यह व्रत लें।

संस्था के महासचिव ब्रह्माकुमार निर्वेर ने कहा कि सारी दुनिया एक परमात्मा को ही मानती है और उसे पूजती है। परन्तु अब वक्त आ गया है कि हम परमात्मा को सही रूप में पहिचाने तथा उनसे वर्सा प्राप्त करें। परमात्मा पर हमारा सर्वाधिकार है। संस्था के अतिरिक्त महासचिव ब्र. कु. बृजमोहन ने कहा कि पवित्रता और सुख शांति स्थापित करना ही परमात्मा का महान कर्त्तव्य है। इसलिए हमें उनके कार्य में मददगार बनना है। इस अवसर संस्था के मीडिया प्रवक्ता ब्र. कु. करूणा, कार्यकारी सचिव ब्र. कु. मृत्युंजय, अमेरिका से आयी ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र. कु. मोहिनी, ब्र. कु. मुन्नी, अमेरिका से आयी ब्र. कु. मोहिनी, लंदन की जयन्ति, शांतिवन प्रबन्धक ब्र. कु. भूपाल ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन ब्र. कु. सुधीर ने किया।

आकर्षण का केन्द्र रहा शिवलिंग- गुब्बारे का बना चालीस फीट का शिवलिंग लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहा। यह विशेषतौर पर दिल्ली से मंगाया गया है। जिसे हवा की मशीन लगाकर लगातार उसमें हवा भरी जा रही है।

आसमान में छा गये गुब्बारे- कार्यक्रम में जब अतिथियों द्वारा जब आसमान में रंग-विरंगे गुब्बारे उड़ाये गये तो पूरा आसमान गुब्बारों से रंग-विरंगा हो गया।

फोटो, 3एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4, 5, 6 शिवजयन्ति महोत्सव में उमड़ा जनसमूह, सभा को सम्बोधित करती दादी जानकी, आसमान में शांति का संदेश देते गुब्बारे।